DR Krishnadeo kumar bharti
Assistant professor (G.T)
Dept of Political science
C.M.j College Donwarihat
Khutauna, Madhubani
Email--Kdkbharti08@gmail.com
B.A Part-- 3Date---17-07-2020
Mo.No----9234999361

वैश्वीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी विशेषताओं तथा विश्व राजनीति पर इसके प्रभावों का वर्णन करें।*(Discuss the concept of Globalization with special mention about its features and effects on World politics.)*

भूमण्डलीकरण *(*वैश्वीकरण*)*एकरूपता की वह प्रक्रिया है जिसमें सम्पूर्ण विश्व सिमट कर एक हो जाता है।एक देश के सीमा से बाहर अन्य देशों में वस्तुओं एवं सेवाओं का लेन देन करनेवाले अन्तर्राष्ट्रीय निगमों अथवा बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ एक भूमण्डलीकरण गांव के रूप में मानने की अवधारणा ही वैश्वीकरण अथवा भूमण्डलीकरण है।डॉ विमल जालान के अनुसार- "भूमण्डलीकरण शब्द का प्रयोग कई तरह से हुआ है।एक अर्थ तो शाब्दिक है अब राष्ट्रों के बीच भौगोलिक दूरी बेमानी हो चुकी है।दुनिया काफी छोटी हो चुकी है और कोई भी देश अपना नुकसान करके ही शेष विश्व से खुद को अलग थलग रख सकता है।भूमण्डलीकरण का दूसरा अर्थ ठीक उल्टा निकाला जा रहा है।इसके अनुसार यह देशी हितों की जगह दूसरे देशों और बहुराष्ट्रीय निगमों के हितों को ऊपर रखने वाले नीतिगत वदलाव का नाम है।"

संक्षेप में भूमण्डलीकरण राष्ट्रों की राजनीतिक सीमाओं के आर पार आर्थिक लेन देन की प्रक्रियाओं और उनके प्रबन्धन का प्रवाह है।विश्व अर्थव्यवस्था में आया खुलापन आपसी जुड़ाव और परस्पर निर्भरता के फैलाव को भूमण्डलीकरण कहा जाता है।

वैश्वीकरण की विशेषताएँ---

भूमण्डलीकरण की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार है--

*1.*यातायात और संचार साधनों में हुए क्रांतिकारी विकास के चलते भौगोलिक दूरियाँ सिमट गई हैं।अब न केवल व्यपार, तकनीकी एवं सेवा क्षेत्र, ब्लकि लोगों का भी सीमा पार आवागमन सस्ता एवं सुगम हो गया है कम्प्यूटर और इंटरनेट भी तेजी से दुनिया को जोड़ रहा है।

2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की दूर दराज पहुँचाने एक गलोबल संस्कृति की स्थापना कर दी है।जीन्स, टीशर्ट फास्टफूड पॉप संगीत, हालीवुड फिल्में एवं सैटेलाइट टेलीविजन की संस्कृति आज के हर युवक की संस्कृति है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने से हो।

3. श्रम बाजार विश्वव्यापी हो गया है।वर्ष *1965* से लगभग*8*करोड़*50* लाख लोग एक देश से दूसरे देश में रोजगार की दृष्टि से प्रवासित हुए थे।जिनकी संख्या*1999* तक बढ़कर *12* करोड़ हो गई।

4. श्रम बाजार की मांगों को पूरा करने के कई व्यवस्थित माध्यम तैयार हो गए है।श्रम निर्यातक देशों में ऐसे कई ब्रोकर एवं ऐजेण्ड सक्रिय हैं जो वैध एवं अवैध दोनों तरीकों से लोगों को विदेशों में काम दिलवाते है।

5. शिक्षा भूमण्डलीकरण हो गया है।अमेरिका जैसे औद्योगिक देशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने जो विदेश जाते है उनमें अधिकांश वहीं रह जाते हैं।दूसरी तरफ आज अनेक विकासशील देशों के शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रम भी विश्वासनीय हो गए हैं जिससे यहां शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी विश्व में कहीं भी रोजगार पा सकते है।

भूमण्डलीकरण की उपरोक्त विशेषताएं से ऐसा लगता है कि एक नए प्रकार की अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की स्थापना की तरफ हम प्रवृत्त हो रहे हैं।

विश्व राजनीतिक पर इसके प्रभाव या भूमण्डलीकरण और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध ---

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धी व्यपार और अन्तर्राष्ट्रीय वित्त व्यवस्था के परिपेक्ष्य में भूमण्डलीकरण के निम्नलिखित प्रभावों की चर्चा की जाती है--

1. संयुक्त राष्ट्र संध और उससे सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय और व्यपारिक संस्थाओं की भूमिका और महत्व मे बृद्धि हुई है।

2. भूमण्डलीकरण के बहुराष्ट्रीय निगमों को खुली छूट मिल गई है और बहुराष्ट्रीय निगम निर्धन राष्ट्रों पर धनी राष्ट्रों के नव उपनिवेश नियंत्रण के वाहक है।

3. अर्थव्यवस्था का तो भूमण्डलीकरण हो गया है किन्तु हमारी राजनीतिक व्यवस्था अभी भी राज्यों की सम्प्रभुता पर आधारित है।

*4.*अन्तर्राष्ट्रीय व्यपार और अन्तर्राष्ट्रीय पूंजी निवेश के लिए देश के दरवाजे खोलने का मतलब गरीब देशों और अमीर देशों को बकरी और बाघ की तरह एक ही धाट मे पानी पीने की व्यवस्था करना है ऐसी दोस्ती में अमीर देश गरीब देशों से मुनाफा लेगें ही, राजनीतिक अर्थ में विश्व व्यापार में भागीदारी बढ़ाने का मतलब अमीर देशों पर निर्भरता बढ़ाना है।जो अन्ततः राजनीतिक निर्भरता और सामाजिक राजनीतिक कीमत चुकाने तक जाता हैं।

आगे, धन्यवाद।

2020-07-17
From vivo Note

Scanned with CamScanner